Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on Speech Typing organized at CUH

News Paper: Dainik Jagran Date: 30-12-2021

राजभाषा के प्रचार-प्रसार में तकनीक का योगदान अहम

संवाद सहवोगी, महेंद्रगढ़: आधुनिक युग स्चना तकनीक का युग है और इसमें प्रगति के लिए आवश्यक है कि तकनीकी विकास के स्तर पर जारी बदलावों को आत्मसात किया जाए। शिक्षा के क्षेत्र की बात करें, तो अध्ययन, अध्यापन से लेकर भाषा के विकास तक सभी स्तर पर सचना तकनीकी का प्रयोग आवश्यक हो गया है। जहां तक हम बात हिंदी भाषा की करते हैं तो यह हमारी राजभाषा है, और इसके प्रचार-प्रसार हेत प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। इस प्रयास में तकनीकी टूल्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसी के मद्देनजर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के राजभाषा अनुभाग ने आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत बुधवार को स्पीच टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजभाषा के विकास में तकनीक के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि इसके उपयोग से हिंदी का उपयोग सुगम हुआ है और अवश्य ही कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागी

सूचना तकनीक

- हकेंबि में स्पीच टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन
- माझ्कोसाफ्ट के डा. वालेंदु दाधीव ने स्पीव टाइपिंग का दिया प्रशिक्षण

उठावेंगे। इस आनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में माइक्रोसाफ्ट भारत में निदेशक स्थानीय भाषाएं एवं सुगम्यता डा. बालेंदु दाधीच उपस्थित रहे।

कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बदना होगा। कुलपति ने आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता की ओर से प्रस्तुत जानकारी को सभी के लिए उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें यकीन है कि सभी प्रतिभागी इस जानकारी का अधिकतम उपयोग करेंगे। इससे पूर्व कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यशाला की अध्यक्ष कुलसचिव प्रो. सारिका



हकेंचि में स्पीच टाइपिंग पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो . टेकेश्वर कुमार, दाई ओर बीच के बाबस में © सी. हकेंवि

शर्मा ने हिंदी के उपयोग और आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. बालेंदु शर्मा दाधीच ने कहा कि तकनीकी स्तर पर हिंदी भाषा में कार्य करना अब आसान हो गया है। डा. दाधीच ने प्रतिभागियों को स्पीच टाइपिंग टूल्स के विषय में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी और बताया कि हम किस तरह से इन टूल्स का उपयोग करके वे बिना की बोर्ड के ही अपने दैनांदिन कार्यों को पूर्ण कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में विवि के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य द्या. सिद्धार्थ शंकर राय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी शैलेंब्र सिंह ने किया। इस अवसर पर विवि के विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों सिंहत नगर राजभाषा कार्यान्वयन सिंमित, महेंब्रगढ़ के सदस्य कार्यालयों के प्रतिभागी आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Panjab Kesari Date: 30-12-2021

हकेंवि में स्पीच टाइपिंग परकार्यशाला आयोजित राजभाषा के प्रचार-प्रसार में तकनीक का योगदान महत्वपूर्ण

गाइक्रोसॉफ्ट के विशेषज्ञ डा. बालेंद्र दाधीच ने स्पीच टाइपिंग का दिया प्रशिक्षण

महेंद्रगढ, 29 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): आधुनिक युग सुचना तकनीक का युग है और इसमें प्रगति के लिए आवश्यक है कि तकनीकी विकास के स्तर पर जारी बदलावों को आत्मसात किया जाए। शिक्षा के क्षेत्र की बात करें, तो अध्ययन, अध्यापन से लेकर सचना तकनीकी का प्रयोग आवश्यक हो गया है। जहां तक हम बात हिंदी भाषा की करते हैं तो यह हमारी राजभाषा है और इसके प्रचार-प्रसार हेत् प्रयास करना हमारा कर्त्तव्य है। इस प्रयास में तकनीकी ्रटूल्स की भूमिका महत्वपूर्ण है।



भाषा के विकास तक सभी स्तर पर कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इसी के मद्देनजर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के राजभाषा अनुभाग ने आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत बुधवार को स्पीच टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजभाषा के विकास में तकनीक के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि इसके उपयोग से हिंदी का उपयोग सुगम हुआ है और अवश्य

तकनीकी स्तर पर हिंदी भाषा में कार्य करना अब आसान : दाधीच

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के हम किस तरह से इन टल्स का ने किया। दाधीच ने कहा कि तकनीकी स्तर पर अपने कार्यों को पूर्ण कर सकते हैं। के विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, हिंदीभाषा में कार्य करना अब आसान कार्यक्रम के अंतमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों हो गया है।

द्य. दाधीच ने प्रतिभागियों को स्पीच टाइपिंग दल्स के विषय में विस्तुत जानकारी दी और बताया कि

ही कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का दिशा में तकनीकी बदलावों को की अध्यक्ष कुलसचिव प्रो. सारिका स्थानीय भाषाएं एवं सगम्यता डा. बालेंद्र दाधीच उपस्थित रहे।

रूप में उपस्थित हा. बालेंद्र शर्मा उपयोग करके बिना की-बोर्ड के ही हिंदी विभाग के सहायक आचार्य हा. सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन सिद्धार्थ शंकर राय नेधन्यवाद ज्ञापन समिति, महेंद्रगढ के सदस्य प्रस्तत किया और कार्यक्रम का कार्यालयों के प्रतिभागी ऑनलाइन संचालन हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह माध्यम से उपस्थित रहे।

लाभ प्रतिभागी उठाएंगे। इस महत्वपूर्णबताया और कहा कि हमें शर्मा ने हिंदी के उपयोग और ऑनलाइनकार्यशाला में विशेषज्ञ के इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। आजादी का अमृत महोत्सव रूप में माइक्रोसॉफ्ट भारत में निदेशक कुलपति ने आयोजन में विशेषज्ञ अभियान के अंतर्गत आयोजित वक्ता की ओर से प्रस्तुत जानकारी को सभी के लिए उपयोगी बताया कलपति ने अपने संबोधन में और कहा कि उन्हें यकीन है कि राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और सभी प्रतिभागी इस जानकारी का राजभाषाहै और हमें इसके प्रचार-प्रसार उसके व्यावहारिक उपयोग की अधिकतम उपयोग करेंगे। कार्यशाला हेत हरसंभव प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय

विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Haribhoomi Date: 30-12-2021

हकेवि में स्पीच टाइपिंग पर कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा के प्रसार में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज >>) महेंद्रगढ़

आधुनिक युग सूचना तकनीक का युग है और इसमें प्रगति के लिए आवश्यक है कि तकनीकी विकास के स्तर पर जारी बदलावों को आत्मसात किया जाए। शिक्षा के क्षेत्र की बात करें, तो अध्ययन, अध्यापन से लेकर भाषा के विकास तक सभी स्तर पर सूचना तकनीकी का प्रयोग आवश्यक हो गया है। जहां तक हम बात हिंदी भाषा की करते हैं तो यह हमारी राजभाषा है और इसके प्रचार-प्रसार हेतु प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। इस प्रयास में तकनीकी टूल्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसी के मद्देनजर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग



महेंद्रगढ़। कार्यशाला में भाग लेते हुए वक्ता।

ने आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत बुधवार को स्पीच टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राजभाषा के विकास में तकनीक के इस मौके पर विश्वविद्यालय के

योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि इसके उपयोग से हिंदी का उपयोग सुगम हुआ है और अवश्य ही कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागी उठाएंगे।

तकनीकी बदलावों को महत्वपर्ण बताया

इस ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में माइक्रोसॉफ्ट भारत में निदेशक स्थानीय भाषाए एवं सुगम्यता डा. बालेंद्र दाधीच उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बद्रना होगा। इससे पूर्व कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यशाला की अध्यक्ष कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने हिंदी के उपयोग और आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इसके प्रचार-प्रसार हेतु हरसंभव प्रयास करना चाहिए। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. बालेंद्र शर्मा दाधीव ने कहा कि तकनीकी स्तर पर हिंदी भाषा में कार्य करना अब आसान हो गया है। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और कार्यक्रम का संवालन हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया।

विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता. अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन

समिति महेंद्रगढ के सदस्य कार्यालयों के प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।